DAY — 02 SEAT NUMBER

| 2026 | II | 11 | 1100 | J-102 | (H) |
|---|---|---|---|---|---|

# HINDI (04)

Time : 3 Hrs. (16 Pages) Max. Marks : 80

## कृतिपत्रिका

**कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ :**

(१) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, विशेष अध्ययन तथा व्यावहारिक हिंदी की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग कीजिए।

(३) सभी आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक है।

(४) व्याकरण विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तरों के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

## विभाग - १. गद्य (अंक-२०)

कृति १ (अ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

कुछ दिन बाद एक सुंदर नवयुवक साधु आगरे के बाज़ारों में गाता हुआ जा रहा था। लोगों ने समझा, इसकी भी मौत आ गई है। वे उठे कि उसे नगर

की रीति की सूचना दे दें, मगर निकट पहुँचने से पहले ही मुग्ध होकर अपने-आपको भूल गए और किसी को साहस न हुआ कि उससे कुछ कहे। दम-के-दम में यह समाचार नगर में जंगल की आग के समान फैल गया कि एक साधु रागी आया है, जो बाज़ारों में गा रहा है। सिपाहियों ने हथकड़ियाँ सँभालीं और पकड़ने के लिए साधु की ओर दौड़े परंतु पास आना था कि रंग पलट गया। साधु के मुखमंडल से तेज की किरणें फूट रही थीं, जिनमें जादू था, मोहिनी थी और मुग्ध करने की शक्ति थी। सिपाहियों को न अपनी सुध रही, न हथकड़ियों की, न अपने बल की, न अपने कर्तव्य की, न बादशाह की, न बादशाह के हुक्म की। वे आश्चर्य से उसके मुख की ओर देखने लगे, जहाँ सरस्वती का वास था और जहाँ से संगीत की मधुर ध्वनि की धारा बह रही थी। साधु मस्त था, सुनने वाले मस्त थे। ज़मीन-आसमान मस्त थे। गाते-गाते साधु धीरे-धीरे चलता जाता था और श्रोताओं का समूह भी धीरे-धीरे चलता जाता था। ऐसा मालूम होता था, जैसे एक समुद्र है जिसे नवयुवक साधु आवाज़ों की ज़ंजीरों से खींच रहा है और संकेत से अपने साथ-साथ आने की प्रेरणा कर रहा है।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

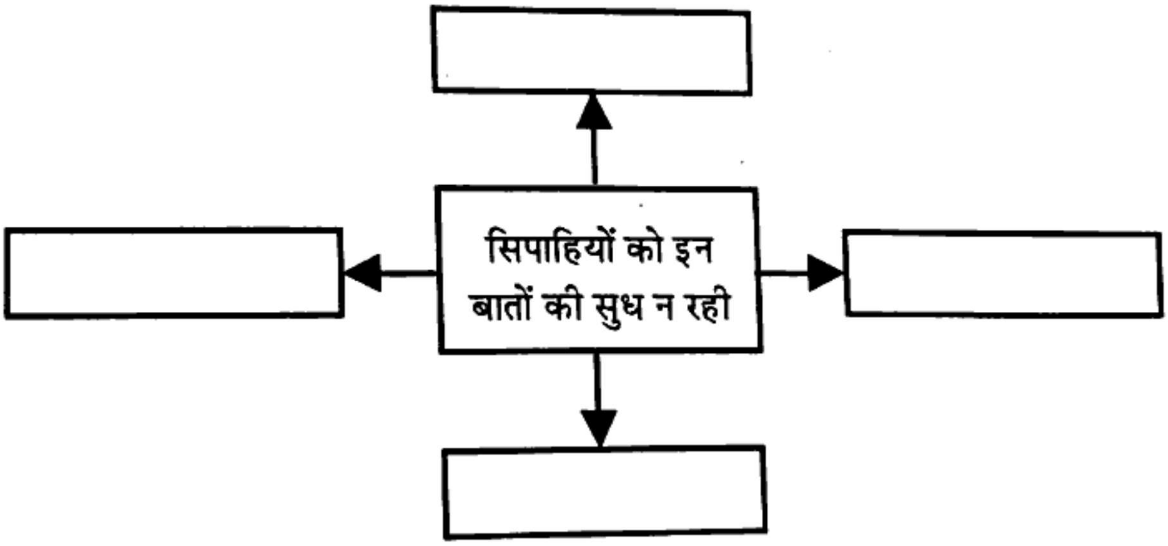

(२) उपर्युक्त गद्यांश में आए हुए शब्दयुग्म ढूँढ़कर लिखिए : (२)

(i) [ ]

(ii) [ ]

(iii) [ ]

(iv) [ ]

(३) 'सच्चा कलाकार वह होता है जो दूसरों की कला का सम्मान करता है,' इस कथन पर अपना मत ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

**(आ)** निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

सी.एफ.सी. यौगिकों का एक खास गुण है कि ये नष्ट नहीं होते। इनका न तो ऑक्सीकरण होता है और न ही अपघटन। ये पानी में भी नहीं घुलते। यहाँ स्वाभाविक रूप से सवाल उठता है कि इस्तेमाल में आने वाले इन यौगिकों का आखिर होता क्या है? सबसे पहले एक अमेरिकी वैज्ञानिक एफ.एस. रोलैंड का ध्यान इस प्रश्न की ओर गया। उन्होंने इस दिशा में लगातार कई वर्षों तक अनुसंधान किया। उनका शोधपत्र जब १९७४ में 'नेचर' नामक प्रतिष्ठित पत्रिका में प्रकाशित हुआ तो पूरी दुनिया में एक हलचल-सी मच गई। अपने पत्र में रोलैंड ने निष्कर्ष दिया था कि ये यौगिक धरती की ओज़ोन परत को नष्ट कर चुके हैं। शुरू में लोगों ने रोलैंड की बातों को कोई खास अहमियत नहीं दी। कुछ लोगों ने उन्हें 'आतंकित पर्यावरणवादी' कहकर उनका उपहास किया लेकिन कुछ ही साल बाद १९८५ ई. में ब्रिटिश सर्वे टीम के कार्यों से रोलैंड की बात सही साबित हो गई। टीम ने न केवल ओज़ोन विघटन की पुष्टि की बल्कि अध्ययन करके बताया कि दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में ओज़ोन की परत काफी छीज चुकी है और उसकी वजह से वहाँ एक बड़ा छिद्र हो गया है। अमेरिकी उपग्रह

निंबस द्वारा भेजे गए चित्र से भी रोलैंड की बात की पुष्टि हुई। ब्रिटिश टीम ने चेताया भी कि यदि बहुत जल्दी ओज़ोन विघटन को न रोका गया तो ओज़ोन परत के छीजने से आने वाली पराबैंगनी किरणों से धरती के तापमान में वृद्धि होगी तथा अनेकानेक तरह की त्वचा संबंधी व्याधियाँ फैलेंगी। त्वचा के कैंसर के रोगियों की संख्या लाखों में होगी।

(१) आकृति पूर्ण कीजिए : (२)

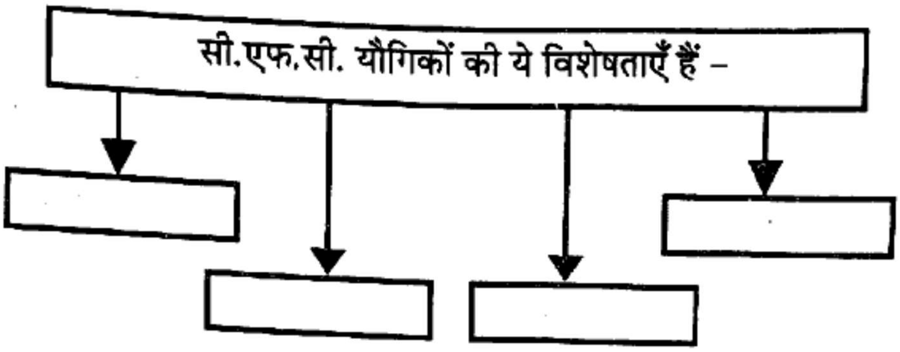


(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए परिच्छेद में आए हुए विलोम शब्द लिखिए : (२)

(i) अवगुण × ..........................................

(ii) अस्वाभाविक × ..........................................

(iii) गलत × ..........................................

(iv) उत्तर × ..........................................

(३) 'पर्यावरण रक्षा में हमारा योगदान,' इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपना मत व्यक्त कीजिए। (२)

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए (कोई दो): (६)

(१) निराला जी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(२) 'पाप के चार हथियार' निबंध का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(३) 'उड़ो बेटी, उड़ो! पर धरती पर निगाह रखकर,' इस पंक्ति में निहित सुगंधा की माँ के विचार स्पष्ट कीजिए।

(ई) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का मात्र <u>एक</u> वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई <u>दो</u>) : (२)

(१) सुदर्शन जी का वास्तविक नाम —

(२) 'कोखजाया' कहानी के हिंदी अनुवादक का नाम —

(३) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' के दो निबंध संग्रहों के नाम —

(४) आशारानी व्होरा जी की रचनाएँ —

## विभाग - २. पद्य (अंक-२०)

**कृति २ (अ)** निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

बल नहीं होता सताने के लिए,
वह है पीड़ित को बचाने के लिए।
बल मिला है तो बल बनो सबके,
उठ पड़ो न्याय दिलाने के लिए।

जिसको मंज़िल का पता रहता है,
पथ के संकट को वही सहता है।
एक दिन सिद्धि के शिखर पर बैठ,
अपना इतिहास वही कहता है।

(१) कृति पूर्ण कीजिए : (१)

(i) बल इसके लिए होता है -

(ii) जिसे मंज़िल का पता रहता है, वह यह करता है - (१)

↓ [ ] ↓ [ ]

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचान कर लिखिए : (२)

(i) मंज़िल —

(ii) पथ —

(iii) सिद्‌धि —

(iv) इतिहास —

(३) 'मानव सेवा ही सच्ची सेवा है,' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

**( आ )** निम्नलिखित पद्‌यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : **( ६ )**

ग़जलों से ख़ुशबू बिखराना हमको आता है।
चट्‌टानों पर फूल खिलाना हमको आता है।
परिंदों को शिकायत है, कभी तो सुन मेरे मालिक।
तेरे दानों में भी शायद, लगा है घुन मेरे मालिक।
हम ज़िंदगी के चंद सवालों में खो गए।
सारे जवाब उनके उजालों में खो गए।
चट्‌टानी रातों को जुगनू से वह सँवारा करती है।
बरसों से इक सुबह हमारा नाम पुकारा करती है।

SEAT NUMBER | | | | | | | |

(१) उत्तर लिखिए :

(i) परिंदों को यह शिकायत है – ................ (१)

(ii) हमारी ज़िंदगी इनमें खो गई – ................ (१)

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में आए हुए समानार्थी उर्दू शब्द लिखिए : (२)

(i) सुगंध — [ ]

(ii) पक्षी — [ ]

(iii) उत्तर — [ ]

(iv) जीवन — [ ]

(३) 'जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण' इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

(इ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 'वृंद के दोहे' इस कविता का रसास्वादन कीजिए : (६)

(१) रचनाकार का नाम — (१)

(२) पसंद की पंक्तियाँ — (१)

(३) पसंद आने के कारण — (२)

(४) कविता का केंद्रीय भाव — (२)

**अथवा**

'पेड़ से जीने की आशा मिलती है।' इस कथन के आधार पर 'पेड़ होने का अर्थ' कविता का रसास्वादन कीजिए।

(ई) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का केवल <u>एक</u> वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई <u>दो</u>) : (२)

(१) 'नयी कविता' के अन्य कवियों के नाम —

(२) गुरु नानक जी की प्रमुख रचनाओं के नाम —

(३) लोकगीतों के दो प्रकार —

(४) दोहा छंद की विशेषता —

## विभाग - ३. विशेष अध्ययन (अंक-१०)

कृति ३ (अ) निम्नलिखित काव्य पंक्तियाँ पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

घाट से आते हुए
कदंब के नीचे खड़े कनु को
ध्यानमग्न देवता समझ, प्रणाम करने
जिस राह से तू लौटती थी बावरी
आज उस राह से न लौट

उजड़े हुए कुंज
रौंदी हुई लताएँ
आकाश पर छाई हुई धूल
क्या तुझे यह नहीं बता रही
कि आज उस राह से
कृष्ण की अठारह अक्षौहिणी सेनाएँ
युद्ध में भाग लेने जा रही हैं!

SEAT NUMBER | | | | | | | |

(१) उत्तर लिखिए : (२)

(i) (अ) कनु इस वृक्ष के नीचे खड़े थे : ______

(ब) राधा इन्हें प्रणाम किया करती थी : ______

(ii) आकृति पूर्ण कीजिए : (२)

इससे पता चल रहा है कि कृष्ण की सेनाएँ युद्ध में भाग लेने जा रही हैं –

↓ ______ ↓ ______

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में आए हुए समानार्थी शब्द लिखिए: (२)

(i) ईश्वर – ______

(ii) पगली – ______

(iii) लड़ाई – ______

(iv) रास्ता – ______

(३) 'प्रेम से ही समाज में शांति स्थापित हो सकती है' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए : (४)

(१) 'कवि ने कनुप्रिया काव्य में युद्ध की भयंकरता का ज्वलंत चित्रण किया है,' स्पष्ट कीजिए।

(२) राधा की दृष्टि से जीवन की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

## विभाग - ४. व्यावहारिक हिंदी, अपठित गद्यांश एवं पारिभाषिक शब्दावली ( अंक-२० )

**कृति ४ ( अ )** निम्नलिखित का उत्तर लगभग १०० से १२० शब्दों में लिखिए : ( ६ )

( १ ) अपने कनिष्ठ महाविद्यालय में मनाए जाने वाले 'हिंदी दिवस समारोह' के सूत्र संचालन का प्रारूप तैयार कीजिए।

**अथवा**

परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

"स्नेहा, बहुत-बहुत बधाई ! आज तुमने फीचर लेखन में शीर्ष स्थान पा लिया है।" स्नेहा की बात काटकर संपादक ने बधाई दी। सभी ने एक स्वर में कहा, "बधाई हो।" इन शब्दों को सुनते ही स्नेहा दस वर्ष पूर्व की दुनिया में चली गई। पत्रकारिता कोर्स के बीतते दिन-महीने..... फीचर लेखन के संबंध में सुने हुए लेक्चर्स....... प्रोफेसरों से की गई चर्चाएँ..... अध्ययन, परीक्षा..... फीचर लेखन का प्रारंभ..... फीचर लेखन की सिद्धहस्त लेखिका बनना ही उसका एकमात्र सपना था।

उसकी यादों में वह दिन तैर गया...... जब उसे पत्रकारिता कोर्स में फीचर लेखन पर व्याख्यान देने के लिए बुलाया गया था। हॉल विद्यार्थियों से खचाखच भरा हुआ था। आज उसे अपने परिश्रम सार्थक होते नज़र आ रहे थे। फीचर लेखन पर स्नेहा ने बोलना प्रारंभ किया। रोचक प्रसंगों के साथ स्नेहा विद्यार्थियों को फीचर लेखन की विशेषताएँ बताने लगी, "अच्छा फीचर नवीनतम जानकारी से परिपूर्ण होता है। किसी घटना की सत्यता अथवा तथ्यता फीचर का मुख्य तत्त्व है। फीचर लेखन में राष्ट्रीय स्तर के तथा अन्य महत्त्वपूर्ण विषयों का समावेश होना चाहिए

SEAT NUMBER | | | | | | | |

क्योंकि समाचारपत्र दूर-दूर तक जाते हैं। इतना ही नहीं; फीचर का विषय समसामयिक होना चाहिए।

(१) उत्तर लिखिए : (२)

फीचर लेखन की विशेषताएँ -

(i) ........................................

(ii) ........................................

(iii) ........................................

(iv) ........................................

(२) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिए परिच्छेद में आए हुए प्रत्यय युक्त शब्द ढूँढ़कर लिखिए :

(१) सत्य (१)

(२) राष्ट्र

(ii) निम्नलिखित प्रत्यय युक्त शब्दों के प्रत्यय निकालकर परिच्छेद में आए हुए मूल शब्द लिखिए :

(१) सार्थकता - .......................... (१)

(२) अच्छाई - ..........................

(३) 'मेहनत करने वालों को ही सफलता मिलती है' इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

**(आ)** निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए : **(४)**

(१) प्रकाश उत्पन्न करने वाले जीवों की वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि से जानकारी लिखिए।

(२) ब्लॉग लेखन में बरती जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डालिए।

**अथवा**

सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(१) पल्लवन का अर्थ है ———————।

(i) संक्षिप्तीकरण

(ii) विस्तार

(iii) सारांश

(iv) व्याख्या

(२) फीचर लेखन ——————— होना चाहिए।

(i) भावना प्रधान

(ii) कल्पना प्रधान

(iii) बुद्धि प्रधान

(iv) ज्ञानप्रद

(३) मैं उद्घोषक की भूमिका पूरी ——————— से निभाता रहा हूँ।

(i) शिष्टता

(ii) निष्ठा

(iii) ज़िम्मेदारी

(iv) प्रतिष्ठा

(४) उल्लू रात के अंधेरे में ——————— से देख सकते हैं।

(i) दूर

(ii) नजदीक

(iii) सरलता

(iv) मुश्किल

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

अँग्रेज पिता थे जो अपने बच्चों के साथ भाग रहे थे, हँस रहे थे और खेल रहे थे। उधर भारतीय पितृदेव भी थे, जो बुजुर्गों को अपने चारों तरफ लपेटे धन-संपन्नता के लक्षणों का प्रदर्शन करते हुए चल रहे थे।

अँग्रेज रमणियाँ थीं, जो धीरे नहीं चलती थीं, तेज चलती थीं। उन्हें न चलने में थकावट आती थी, न हँसने में लाज आती थी। कसरत के नाम पर भी बैठ सकती थीं, और घोड़े के साथ-ही-साथ जरा जी होते ही, किसी हिंदुस्तानी पर भी कोड़े फटकार सकती थीं। वह दो-दो, तीन-तीन, चार-चार की टोलियों में नि:शंक, निरापद, इस प्रवाह में मानो अपने स्थान को जानती हुई, सड़क पर से चली जा रही थीं। उधर हमारी भारत की कुललक्ष्मियाँ, सड़क के बिल्कुल किनारे-किनारे, दामन बचाती और सम्हलती हुई, साड़ी की कई तहों में सिमट-सिमटकर, लोक-लाज, स्त्रीत्व और भारतीय गरिमा के आदर्श को अपने परिवेष्टनों में छिपाकर, सहमी-सहमी धरती में आँखें गाड़े; कदम-कदम बढ़ रही थीं।

(१) तालिका पूर्ण कीजिए : (२)

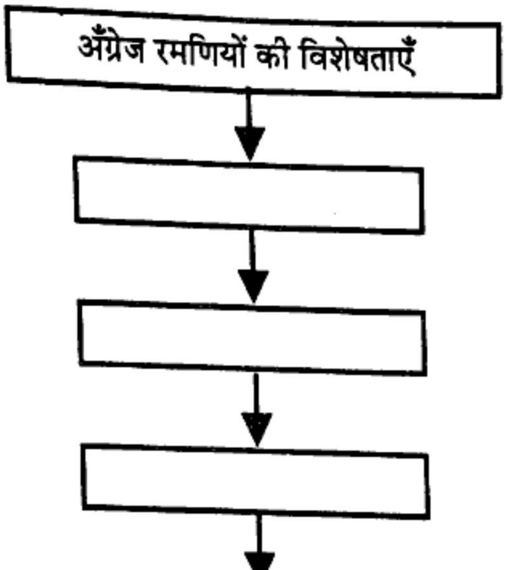


(२) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए : (२)

(i) रमणी -

(ii) बच्चे -

(iii) घोड़ा -

(iv) आँखें -

(३) 'भारतीय नारी' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(ई) निम्नलिखित में से किन्हीं चार के पारिभाषिक शब्द लिखिए : (४)

(१) Census Officer —

(२) Enrolment —

(३) Fixed Deposit —

(४) Transaction —

(५) Speed —

(६) Graphic Table —

(७) Antiseptics —

(८) Output —

## विभाग - ५. व्याकरण (अंक-१०)

कृति ५ (अ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए : (कोष्ठक की सूचनानुसार) (२)

(१) बैजू का लहू सूख गया है। https://www.maharashtrastudy.com

(सामान्य भूतकाल)

(२) गर्ग साहब ने अपने वचन का पालन किया।

(सामान्य भविष्यकाल)

(३) हमारे भूमंडल में हवा और पानी बुरी तरह प्रदूषित हुए हैं।

(अपूर्ण वर्तमानकाल)

(४) सुधारक पापों के विरुद्ध विद्रोह का झंडा बुलंद करता है।

(पूर्ण भूतकाल)

SEAT NUMBER | | | | | | |

( आ ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत अलंकार पहचान कर उनके नाम लिखिए (कोई दो): (२)

(१) पायो जी मैंने राम रतन धन पायो।

(२) मोती की लड़ियों से सुंदर, झरते हैं झाग भरे निर्झर!

(३) जान पड़ता है नेत्र देख बड़े-बड़े।
हीरकों में गोल नीलम हैं जड़े।।

(४) पत्रा ही तिथि पाइयों, वाँ घर के चहुँ पास
नितप्रति पून्यो रहयों, आनन-ओप उजास

( इ ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत रस पहचान कर उनके नाम लिखिए (कोई दो): (२)

(१) तू दयालु दीन हौं, तू दानि हौं भिखारि।
हौं प्रसिद्ध पातकी, तू पाप पुंजहारि।

(२) एक अचंभा देखा रे भाई।
ठाढ़ा सिंह चरावै गाई।
पहले पूत पाछे माई।
चेला के गुरु लागे पाई॥

(३) माटी कहै कुम्हार से, तू क्या रौंदे मोहे।
एक दिन ऐसा आएगा, मैं रौंदूंगी तोहे।।

(४) कहा- कैकयी ने सक्रोध
दूर हट! दूर हट! निर्बोध!
द्विजिव्हे रस में, विष मत घोल।

P.T.O



0102

(ई) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं <u>दो</u> के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए : (२)

(१) आँखें बिछाना।

(२) तिल का ताड़ बनाना।

(३) चल बसना।

(४) जान बख्शना।

(उ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्‌ध करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई <u>दो</u>): (२)

(१) कयी बस्तीयाँ उजड गई।

(२) हमें पूरानी - जर्जर रूढ़ियों को तोडनी है, अच्छी परंपराओ को नहीं!

(३) मौसि फिर उसी कूर्सी पर आकर बैठ गई।

(४) आज के बच्चे वेज्ञानिक युग में पल रही हैं!

◆◆◆